RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

भूसंसाधन तथा कृषि

साझा संपत्ति संसाधन

भारत में कृषि भू -उपयोग

अध्याय-3 | भाग-4

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 भूमि के स्वामित्व के आधार

→ उ- उपयोग के आधार-



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि के स्वामित्व के आधार पर

1. निजी भूसंपत्ति



2. साझा संपत्ति संसाधन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. निजी भूसंपत्ति

- भूमि पर व्यक्तियों का निजी स्वामित्व
- कुछ व्यक्तियों का सम्मिलित निजी स्वामित्व



साझा संपत्ति संसाधन

भूमियाँ सामुदायिक उपयोग हेतु राज्यों के स्वामित्व में







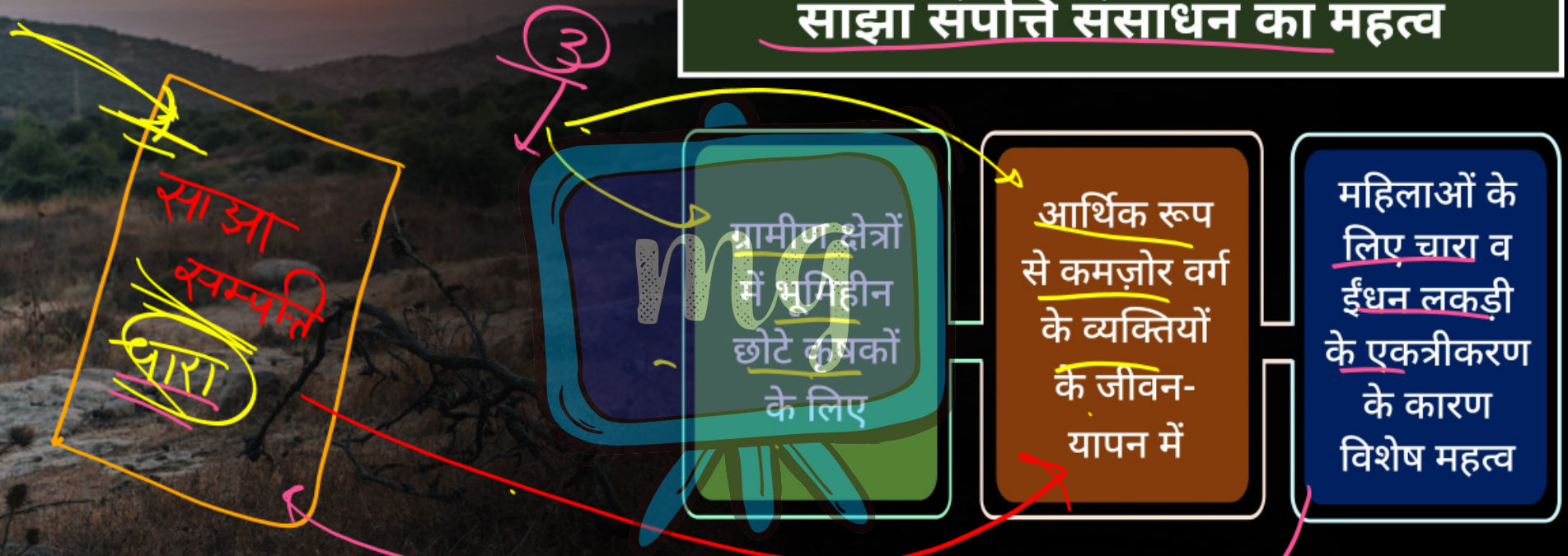
साझा संपत्ति संसाधन	प्रमुख उत्पाद
पशुओं के लिए चारा	घरेलू उपयोग हेतु ईंधन
फल	रेशे
	औषधीय पौधे

लकड़ी	
गिरी	

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साझा संपत्ति संसाधन का महत्व



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साझा संपत्ति संसाधन

- अन्य नाम : सामुदायिक प्राकृतिक संसाधन
- सभी सदस्यों को इसके उपयोग का अधिकार
- सभी सदस्यों के कुछ विशेष कर्त्तव्य



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साझा संपत्ति संसाधन के उदाहरण

1. सामुदायिक वन



2. चरागाह



3. ग्रामीण जलीय क्षेत्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

सामुदायिक प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग एक परिवार से बड़ी इकाई करती है तथा यही उसके प्रबंधन के दायित्वों का निर्वहन करती हैं।

सामुदायिक प्राकृतिक संसाधन
||
ग्राम पंचायत
|
प्रबन्ध



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

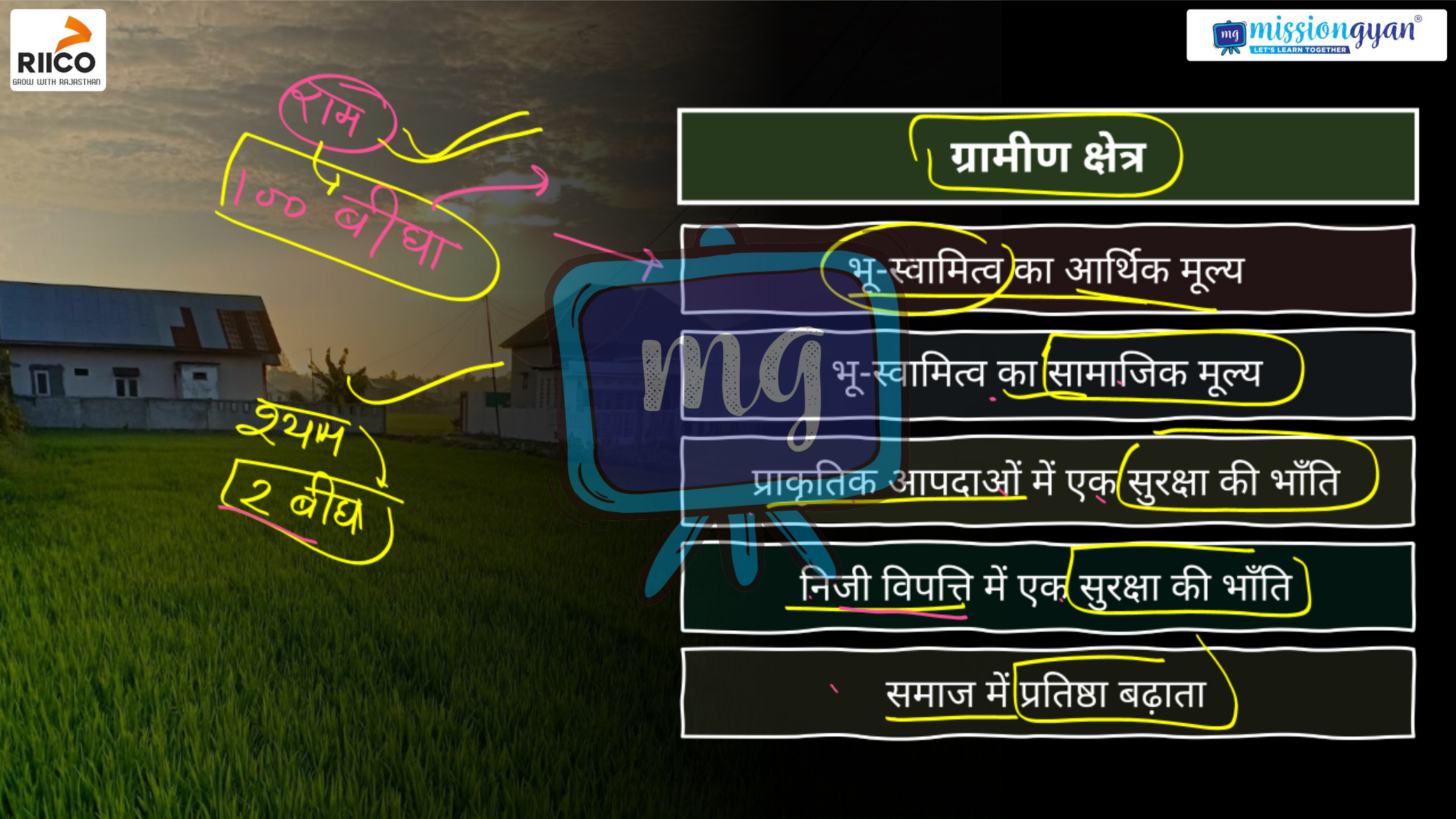
① भू-उपयोग के आधार

② स्वामित्व के आधार

③ भारत में कृषि भू-उपयोग

भारत में कृषि भू-उपयोग

- कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित
- कृषि उत्पादन में भूमि का योगदान अन्य सेक्टरों की तुलना में अधिक
- भूमि की गुणवत्ता : कृषि उत्पादकता को प्रभावित करती है जो अन्य कार्यों में नहीं


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
राम
10 बीघा
श्याम
2 बीघा
ग्रामीण क्षेत्र
भू-स्वामित्व का आर्थिक मूल्य
भू-स्वामित्व का सामाजिक मूल्य
प्राकृतिक आपदाओं में एक सुरक्षा की भाँति
निजी विपत्ति में एक सुरक्षा की भाँति
समाज में प्रतिष्ठा बढ़ाता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

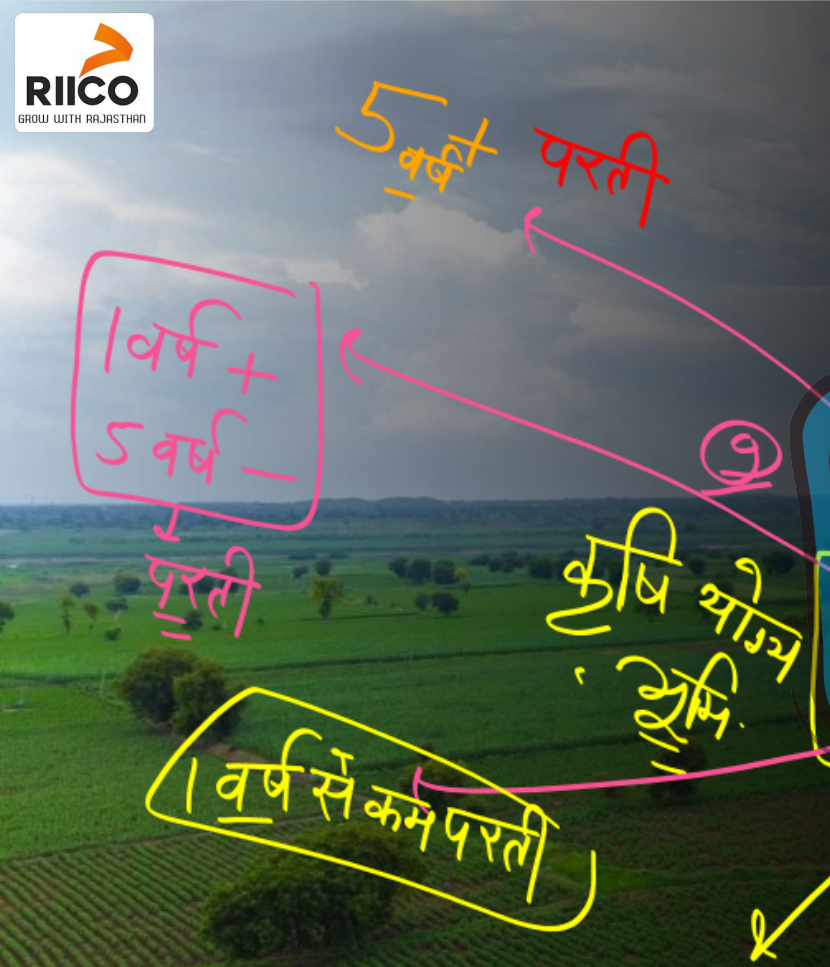
राम → 100 बीघा
↳ अमीर

ग्रामीण क्षेत्र → भूमिहीनता → गरीबी

नोट

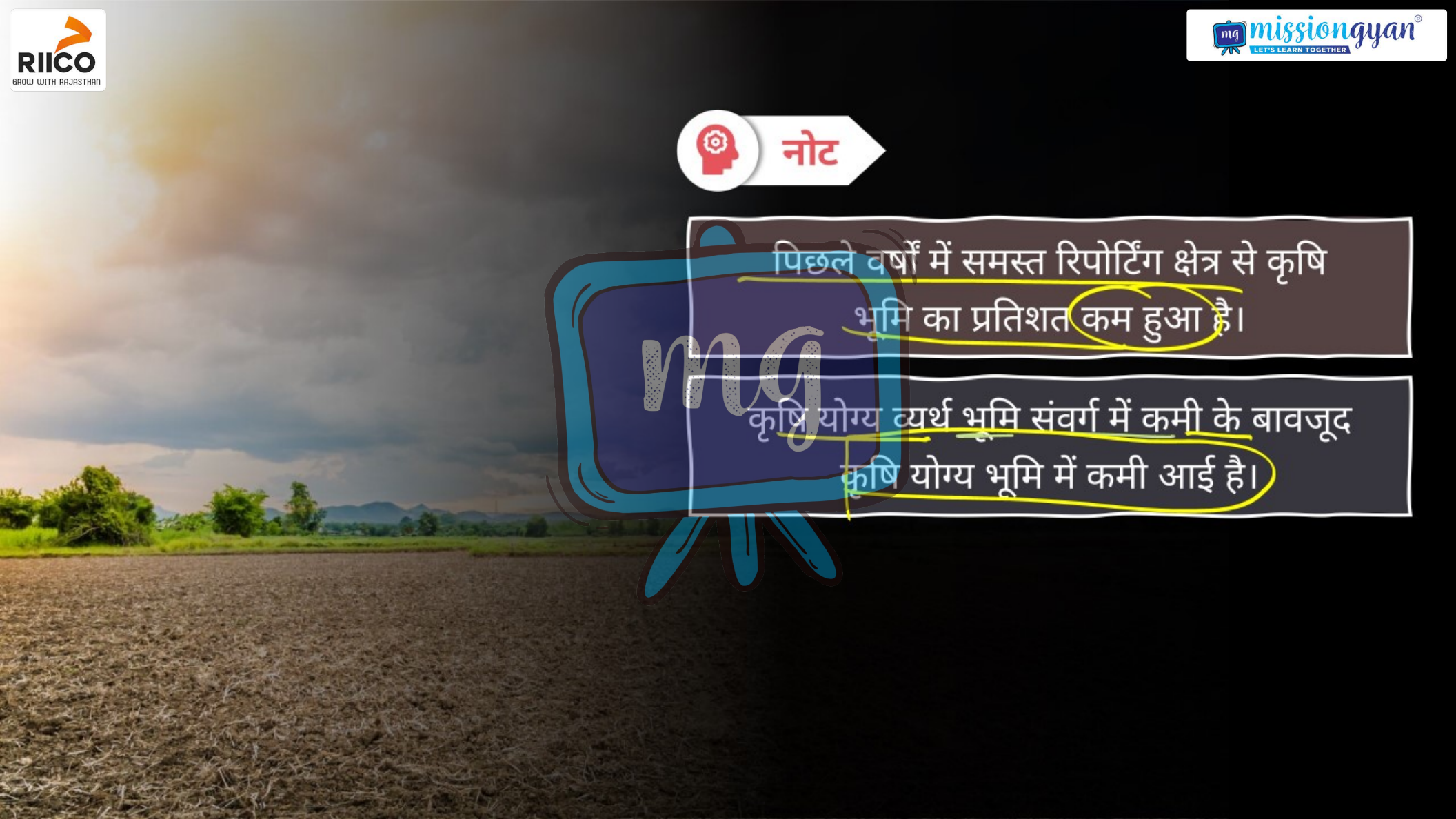
ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीनता प्रत्यक्ष रूप से वहाँ की गरीबी से संबंधित है।





समस्त कृषि योग्य भूमि की संरचना

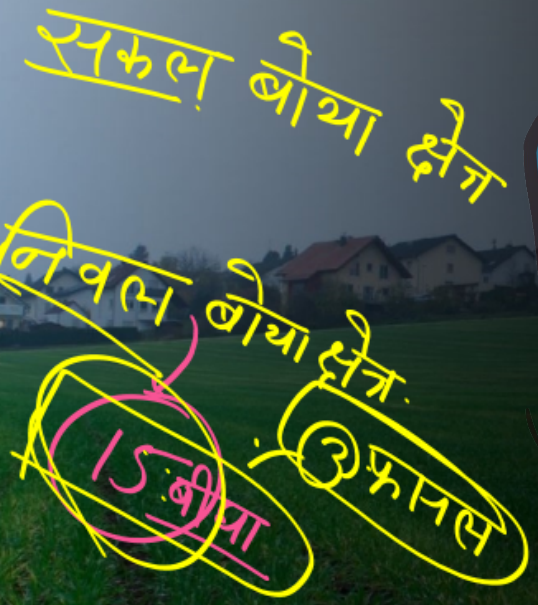
कृषि योग्य भू-उपयोग वर्ग	रिपोर्टिंग क्षेत्रफल का प्रतिशत		समस्त कृषि योग्य भूमि का प्रतिशत	
	1950-51	2019-20	1950-51	2019-20
कृषि योग्य बंजर भूमि	8.0	3.9	13.4	6.8
पुरातन परती भूमि	6.1	3.7	10.2	6.4
वर्तमान परती भूमि	3.7	4.5	6.2	7.8
निवल बोया गया क्षेत्र	41.7	45.6	70.0	79.0
सकल कृषि योग्य भूमि	59.5	57.7	100.00	100.00


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
नोट
पिछले वर्षों में समस्त रिपोर्टिंग क्षेत्र से कृषि भूमि का प्रतिशत कम हुआ है।
कृषि योग्य व्यर्थ भूमि संवर्ग में कमी के बावजूद कृषि योग्य भूमि में कमी आई है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में निवल बोया गया क्षेत्र



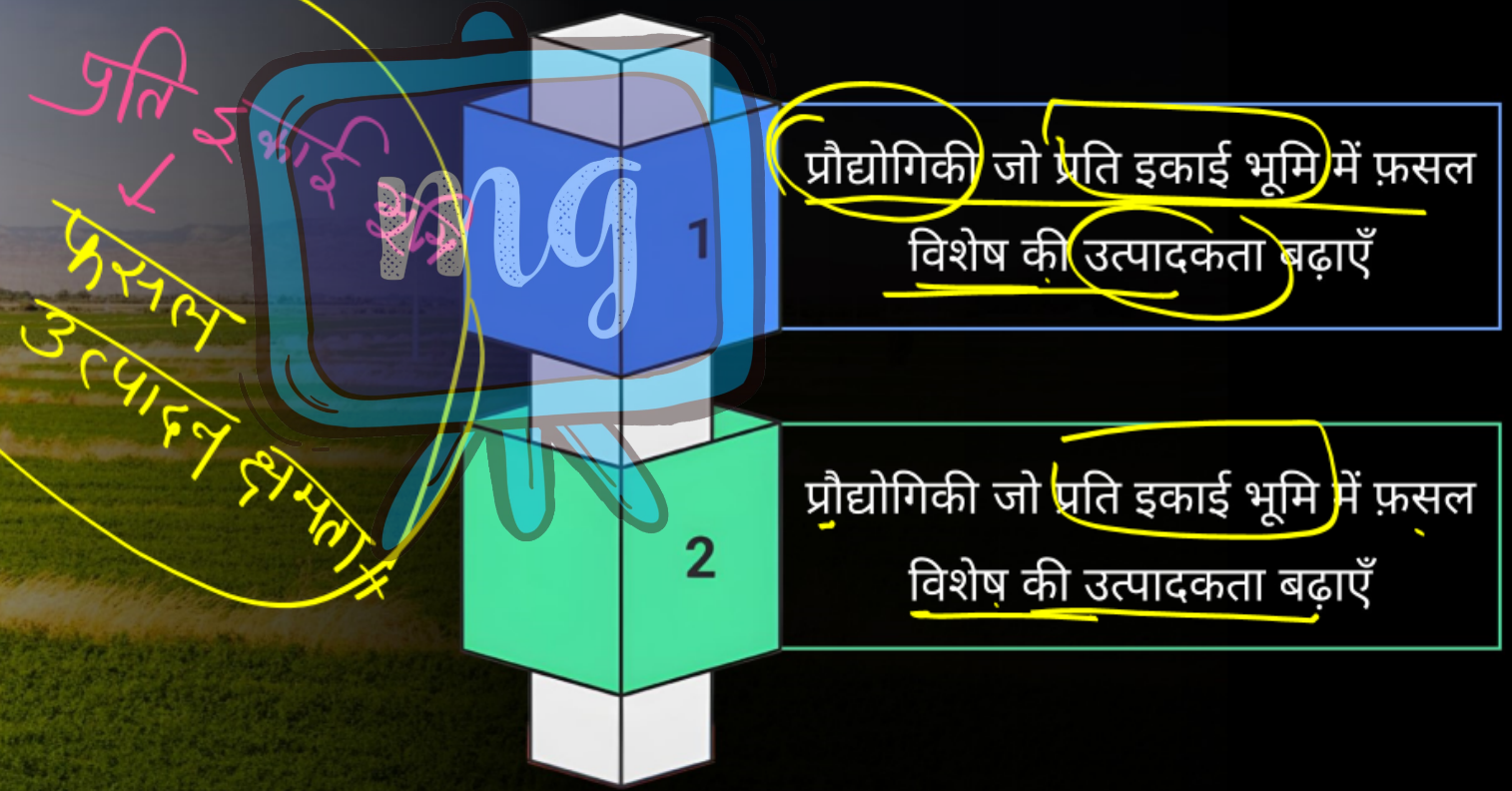
भारत में निवल बोए गए क्षेत्र में बढ़ोतरी की संभावनाएँ सीमित

भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित करना अत्यंत आवश्यक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि बचत प्रौद्योगिकी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(2) फ़सल सघनता

- एक कृषि वर्ष में गहन भू-उपयोग से सभी फ़सलों का उत्पादन बढ़ाना
- सीमित भूमि से भी कुल उत्पादन में वृद्धि
- श्रमिकों की माँग में भी पर्याप्त वृद्धि

बीघा
वर्ष → 2 फसल 3 फसल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

$$\text{कृषि गहनता} = \frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$$

कृषि गहनता = सकल बोया गया क्षेत्र / निवल बोया गया क्षेत्र × 100

→ निवल बोया गया – 1 बीघा

वर्ष → फसल – 3



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में फ़सल ऋतुएँ

उष्ण कटिबंधीय

1. खरीफ़	2. रबी	3. ज़ायद
		

शीतोष्ण/उपोष्ण कटिबंधीय फसल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

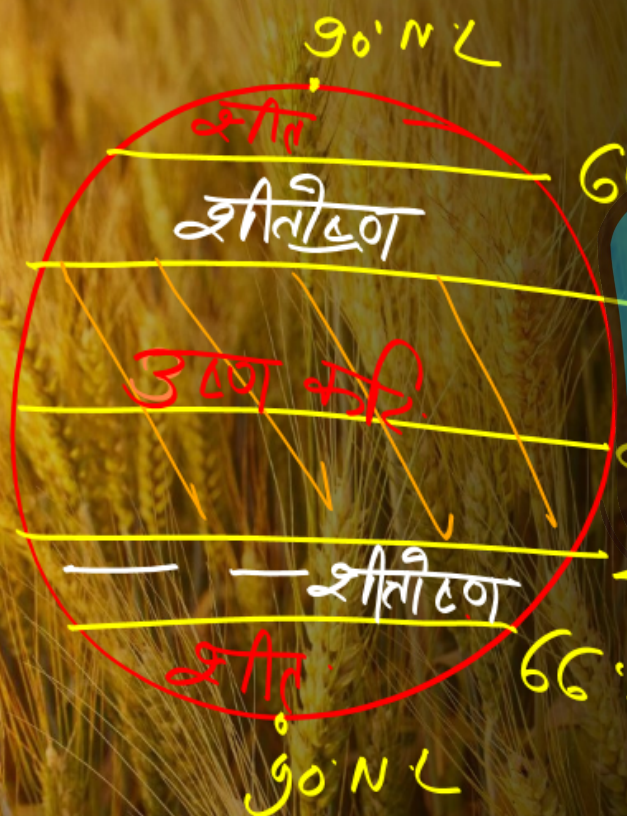
1. खरीफ फ़सल ऋतु

- दक्षिण-पश्चिमी मानसून के साथ बुवाई
- उष्ण कटिबंधीय फ़सलें
  - चावल, कपास, जूट, ज्वार, बाजरा व अरहर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. रबी फ़सल ऋतु

- अक्टूबर-नवंबर में शरद ऋतु से मार्च-अप्रैल तक
- शीतोष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय फ़सलें
- गेहूं, चना, तथा सरसों



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. जायद फ़सल ऋतु

- अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन फ़सल-ऋतु
- रबी की कटाई के बाद प्रारंभ
- तरबूज, खीरा, ककड़ी, सब्ज़ियाँ व चारे की फ़सलों की कृषि सिंचित भूमि पर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

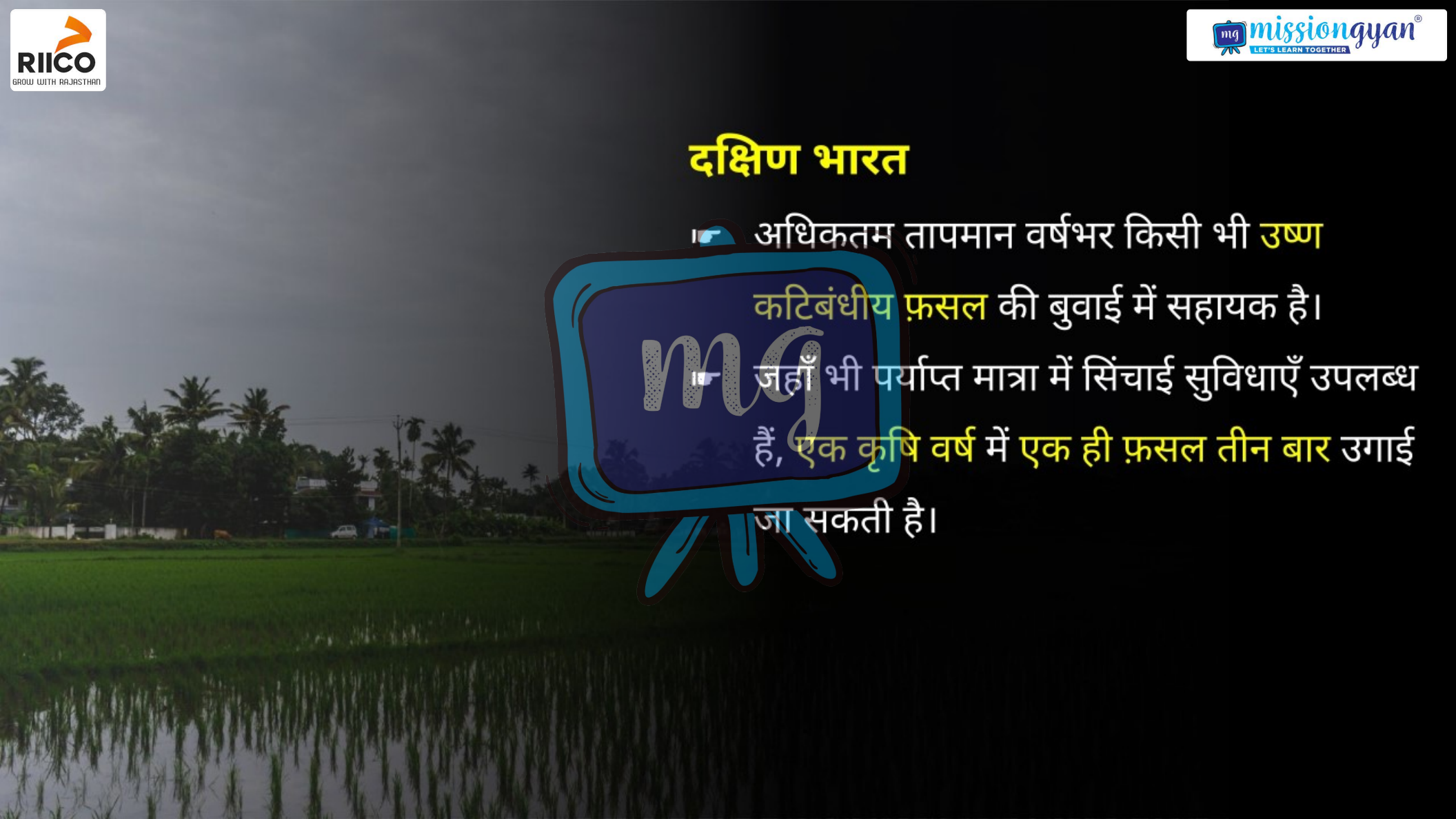
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- देश के उत्तरी व आंतरिक भागों में तीन प्रमुख फ़सल ऋतुएँ- खरीफ, रबी व ज़ायद के नाम से जानी जाती है।
- इस प्रकार की पृथक फ़सल ऋतुएँ देश के दक्षिण भागों में नहीं पाई जातीं है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दक्षिण भारत

- अधिकतम तापमान वर्षभर किसी भी उष्ण कटिबंधीय फ़सल की बुवाई में सहायक है।
- जहाँ भी पर्याप्त मात्रा में सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध हैं, एक कृषि वर्ष में एक ही फ़सल तीन बार उगाई जा सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय कृषि ऋतु

कृषि ऋतु	प्रमुख फ़सलें	
	उत्तरी भारत राज्य	दक्षिणी राज्य
खरीफ़ (जून से सितंबर)	चावल, कपास, बाजरा, मक्का, ज्वार, अरहर (तुर)	चावल, मक्का, रागी, ज्वार तथा मूँगफली
रबी (अक्टूबर से मार्च)	गेहूँ, चना, तोरई, सरसों, जौ	चावल, मक्का, रागी, मूँगफली
ज़ायद (अप्रैल से जून)	वनस्पति, सब्ज़ियाँ, फल, चारा फ़सलें	चावल, सब्जियाँ, चारा फ़सलें